



NCERT Solutions for Class 11 Hindi Core A Ch04 Poem
Sumitranandan Pant

1.1 अंधकार की गुहा सरीखी

उन आँखों से डरता है मन।

आमतौर पर हमें डर किन बातों से लगता है?

उत्तर:- आमतौर पर हमें अंधकार, आर्थिक हानि, अपमान, हत्याकांड, प्रियजन की मृत्यु आदि बातों से डर लगता है।

1.2 अंधकार की गुहा सरीखी

उन आँखों से डरता है मन।

उन आँखों से किसकी ओर संकेत किया गया है?

उत्तर:- 'उन आँखों' से किसान की ओर संकेत किया गया है।

1.3 अंधकार की गुहा सरीखी

उन आँखों से डरता है मन।

कवि को उन आँखों से डर क्यों लगता है?

उत्तर:- कवि को उन आँखों की असीम वेदना से डर लगता है।

1.4 अंधकार की गुहा सरीखी

उन आँखों से डरता है मन।

डरते हुए भी कवि ने उस किसान की आँखों की पीड़ा का वर्णन क्यों किया है?

उत्तर:- डरते हुए भी कवि ने उस किसान की आँखों की पीड़ा का वर्णन समाज को किसान की स्थिति से अवगत कराने के लिए किया है ताकि लोग किसान के प्रति सहानुभूति रखें और अत्याचारी महाजनों और थानेदारों का पर्दाफाश कर सकें।

1.5 अंधकार की गुहा सरीखी

उन आँखों से डरता है मन।

यदि कवि इन आँखों से नहीं डरता क्या तब भी वह

कविता लिखता?

उत्तर:- यदि कवि को किसान की आँखों को देखकर भय न लगता, तो शायद उसे उसकी पीड़ा का बोध न होता और कविता न लिखी जाती क्योंकि कविता लिखने के लिए मन में भावों का होना आवश्यक है।

2. कविता में किसान की पीड़ा के लिए किन्हें ज़िम्मेदार बताया गया है?

उत्तर:- कविता में किसान की पीड़ा के लिए जमींदार, महाजन व कोतवाल को ज़िम्मेदार बताया है। महाजन ने अपना ब्याज और ऋण वसूलने के लिए किसान के खेत, गाय-बैल और घर-बार बिकवा दिया। उसके कारकुनों ने विरोध करने के कारण उसके जवान बेटे को मरवा दिया। दवाई के अभाव में उसकी पत्नी की मृत्यु हो गई और इसी कारण उसकी दूध-मुँही बच्ची की भी मृत्यु हो गई।

3. पिछले सुख की स्मृति आँखों में क्षण भर एक चमक है लाती —

इसमें किसान के किन पिछले सुखों की ओर संकेत किया गया है?

उत्तर:- उपर्युक्त पंक्ति में किसान के निम्न सुखों की ओर संकेत किया गया है — किसान कभी स्वाधीन था उसके घर के पास लहलहाते खेत थे। दुधारू गाय और हृष्ट-पुष्ट बैलों की जोड़ी थी। घर में उसका एक जवान पुत्र, पत्नी, बेटी और पुत्र-वधू भी थी इस तरह से किसान एक सुखी और संतुष्ट किसान था और इन्हीं सब की स्मृति उसकी आँखों में चमक ला देती थी।

4.1 संदर्भ सहित आशय स्पष्ट करें —

उजरी उसके सिवा किसे कब

पास दुहाने आने देती?

उत्तर:- संदर्भ — प्रस्तुत काव्यांश पाठ्यपुस्तक ‘आरोह भाग 1’ में संकलित ‘वे आँखें’ से लिया गया है। इस कविता के रचयिता ‘सुमित्रानंदन पंत’ हैं। उपर्युक्त पंक्तियों में किसान की उजरी गाय की दुर्दशा का वर्णन किया गया है।

आशय — कवि कहते हैं कि किसान के पास उजरी नाम की एक गाय थी उस गाय के प्रति किसान का कुछ विशेष स्नेह था वह गाय भी केवल किसान को ही दूध दूहने देती थी।

4.2 संदर्भ सहित आशय स्पष्ट करें —

घर में विधवा रही पतोहू

लक्ष्मी थी, यद्यपि पति घातिन,

उत्तर:- संदर्भ — प्रस्तुत काव्यांश पाठ्यपुस्तक ‘आरोह भाग 1’ में संकलित ‘वे आँखें’ से लिया गया है। इस कविता के रचयिता ‘सुमित्रानंदन पंत’ हैं। यहाँ पर किसान के जवान पुत्र के मरने का संदर्भ है कि किस प्रकार किसान के बेटे को विरोध करने के लिए मार दिया गया।

आशय — किसान के बेटे को कारकूनों ने मार दिया और उसकी मृत्यु का आरोप जमींदार और पुलिस की मिलीभगत से उसकी पत्नी पर मढ़ दिया गया। उसके मरने में उसकी पत्नी का कोई दोष नहीं था फिर भी समाज ने उसे पति घातिन करार दे दिया जबकि वह विधवा होते हुए भी लक्ष्मी के समान थी। वही कमाकर घर चला रही थी।

***** END *****